केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 07 शुक्रवार 26 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मण्डलायुक्त ने किया श्री अन्न के बीज का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने आयुक्त कार्यालय में श्रीअन्न (मोटे अनाज) यथा–ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो एवं अरहर बीज का मिनीकिट निःशुल्क वितरण किया। उन्होने उपस्थित कृषकों को मोटे अनाज उत्पादन करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होने कृषक आद्या प्रसाद दुबे को अरहर, अमर चौधरी को रागी, राम निहोर को ज्वार, राम सुरेमन को बाजरा, मिन्टू लाल को कोदो, कृष्ण देव सिंह को सांवा, विशाल मौर्य को अरहर, राहुल यादव को अरहर, लाल जी को अरहर, प्रेम चन्द्र को कोदो, श्रीमती माया देवी को अरहर के बीज का मिनीकिट प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि बस्ती मण्डल के सभी जनपदों में इच्छुक कृषकों को पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से ही पारदर्शी तरीके से बीज मिनिकिट का वितरण किया गया है। बस्ती मण्डल में अरहर, उर्द एवं श्रीअन्न (मिलेट्स)–सांवा, कोदो, रागी (मडुआ) तथा तिलहन फसल के मूगफली एवं तिल के मिनिकिट वितरण कर कृषकों को इन फसलो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कराया गया है।

इस अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी, उप कृषि निदेशक, अशोक कुमार गौतम, जिला कृषि अधिकारी डा0 बाबू राम मौर्य, उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन में शिथिलता क्षम्य नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में जलजीवन मिशन से संबंधित कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आहूत की गयी। बैठक में उन्होने मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर, मेसर्स वी.एस.ए. इन्फ्रा प्रोजेक्ट, मेसर्स जैक्शन विश्वराज चयनित फर्मो को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। जलजीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत मण्डल में 59 भूमि संबंधी विवादों में निर्देश दिया कि संबंधित विभागीय अधिकारी जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण करायें।

बैठक में उन्होने पाया कि बस्ती मण्डल के अन्तर्गत तीनों जनपदों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत फेज–2, 3 एवं फेज 5 को सम्मलित करते हुए तीनों फर्मो द्वारा 5884 राजस्व ग्रामों को पेयजल से आच्छादित करने का चयन किया गया है, जिसके सापेक्ष 2080 नग प्राक्कलन एसएलएसएससी से कार्य पूर्ण, 2195 नग पम्प हाउस के सापेक्ष 2082 नग पम्प हाउस कार्य पूर्ण, 21529 किमी. पाइप लाइन के सापेक्ष 19412 किमी. कार्य पूर्ण, 2061 नग सोलर प्लांट के सापेक्ष 1791 नगर सोलर प्लांट स्थापित करा दिये गये है। 2090 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 2059 कार्य प्रारम्भ एवं 181 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण है तथा 28 संचालित है।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने किया। इसमें सीआरओ संजीव ओझा, अपर जिलाधिकारी जयप्रकश आदि उपस्थित रहे।

सर पर मैला उठाना बंद हो–बाल्मीकि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पी.एस. अजय) केन्द्रीय सलाहकार समिति भारत सरकार धीरेन्द्र कुमार बाल्मीकि ने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सरकार की मंशानुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अन्तिम पायदान पर खड़ें प्रत्येक व्यक्ति को अवश्य मिलें। उक्त बाते सर्किट हाउस सभागार में उन्होने कहा। उन्होने कहा कि सर पर मैला उठाना और ढोना कुप्रथा है, इसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार ने सख्त निर्देश दिया है कि सेक्सन मशीन द्वारा कार्य कराया जाय।

अगस्त में होगी यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा

लखनऊ (आभा)। यूपी पुलिस में सिपाही (कांस्टेबल) के 60244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए होने वाली लिखित परीक्षा की डेट गुरुवार को घोषित कर दी गई। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से यह परीक्षा आगामी 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को आयोजित की जाएगी। पूर्व में पेपर लीक होने के कारण यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को रोडवेज की बसों में निरूशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद परीक्षा निरस्त करते हुए छह माह के अंदर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को ध्यान में रखते हुए पुनः परीक्षा कराने का निर्देश दिया था। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से कराए जाने के संबंध में परीक्षा संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे परीक्षा की तैयारियों, परीक्षा केंद्रों के चयन, परीक्षार्थियों के सत्यापन तथा सॉल्वर बैठानें स रोकने के बारे में भी प्रदेश सरकार ने गत 19 जून को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किया था। परीक्षा इन सभी मानकों के अनुसार आयोजित की जाएगी। जन्माष्टमी त्योहार के कारण परीक्षा में अंतराल दिया गया है। जन्माष्टमी त्योहार के कारण परीक्षा में अंतराल दिया गया है।

शासन ने पहली जुलाई 2024 को सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों जैसे प्रश्नपत्र लीक होने और उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ आदि को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अध्यादेश 2024 को अधिसूचित किया था। इस अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या नकल कराना, प्रश्नपत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना या प्रकट करने का षड्यंत्र करना आदि कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं, जो इस अधिनियम के तहत दंडनीय है। ऐसे प्रकरणों में एक करोड़ तक का जुर्माना और आजीवन कारावास तक की सजा या दोनों ही हो सकती है।

शिक्षा मित्रों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, शिक्षक के रूप में समायोजन की मांग

बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार शुक्ल के संयोजन में जनपद के शिक्षा मित्रों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी को सौंपा। मांग किया कि शिक्षा मित्रों की समस्याओं का प्रभावी समाधान कराकर शिक्षक के रूप में समायोजन सुनिश्चित कराया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद संघ के मण्डल अध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में विगत 23 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षामित्र जो स्नातक बीटीसी उत्तीर्ण हैं। मंहगाई के इस दौर में शिक्षामित्र को मात्र 10 हजार रुपए और 11 माह का ही मानदेय मिल रहा है, जिससे शिक्षामित्रों के परिवार का पालन पोषण नहीं हो पा रहा है। इस कारण उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्र आर्थिक एवं मानसिक सप से परेशान होकर आत्महत्या जैसे कदम उठा उठा रहे हैं। अच्छा हो कि सरकार शिक्षा मित्रों की समस्याओं का प्रभावी समाधान कराने की दिशा में प्रभावी पहल करे।

–समायोजन निरस्त होने के आठवीं बरसी पर जान गंवाने वाले शिक्षा मित्रों को दिया श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री को भेजे 7 सूत्रीय ज्ञापन में नई शिक्षा नीति में शिक्षामित्रों को स्थाई करते हुए नियनित वेतनमान दिये जाने, वर्तमान में महगाई को देखते हुए नियमितीकरण होने तक अन्य राज्यों (राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार) की भांति शिक्षामित्रों को वेतन या मानदेय दिये जाने, मूल विद्यालय से वंचित शिक्षामित्रों को पुनः मूल विद्यालय उनकी ग्राम पंचायत के अन्य विद्यालय में समायोजित करने, महिला शिक्षामित्रों को विवाहोपरान्त उनकी ससुराल के जनपद में समायोजित किये जाने, शिक्षामित्रों का ई०पी०एफ० योजना में शामिल किये जाने, शिक्षामित्रों को आयुष्मान योजना में शामिल करते हुए मेडिकल सुविधा देने, मृतक शिक्षामित्रों के परिवार को आर्थिक सहायता देते हुए परिवार के एक सदस्य को उक्त पद पर समायोजित करने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने से पूर्व शिक्षा मित्रों ने 25 जुलाई 2017 से 2024 के दौरान दिवंगत हुये शिक्षा मित्रों को समायोजन निरस्त होने के आठवी बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से शिक्षक नेता चन्द्रिका सिंह, उदयशंकर शुक्ल, बालकृष्ण ओझा, दुर्गेश यादव, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रमोद सिंह, हरेन्द्र यादव, सुरेश गौड़, सनद पटेल, अभय सिंह यादव, शैल शुक्ल, संजय यादव, अशद जमाल, दिनेश उपाध्याय, मुक्तेश्वर यादव, श्रवण यादव, राम प्रकाश वर्मा, रामेन्द्र श्रीवास्तव, रत्नेश चौधरी, भगौती भारती, सुरेन्द्र उपाध्याय, शिवशंकर साहू, सुशील चौधरी, राम सूरत चौधरी, वसीउल्लाह, बन्दना, सुमन मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव के साथ ही अनेक शिक्षक, शिक्षा मित्र शामिल रहे।

13 वीं पुण्य तिथि पर रक्तदान के साथ याद किये गये विष्णुदत्त ओझा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–युवाओं के लिये प्रेरणापुंज हैं विष्णुदत्त ओझा–नन्दीश्वर
– विष्णुदत्त ओझा को नमन् कर किया योगदान पर विमर्श
– 115 लोगों ने रक्तदान कर किया नमन्

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं मण्डलीय गौरक्षा समिति के संस्थापक योगी आदित्यनाथ के अनन्य सहयोगी एवं हिन्दू युवा वाहिनी उ.प्र. के स्थापन प्रदेश संयोजक स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा के 13 वीं पुण्य तिथि पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुस्तकालय टाउन क्लब के सभागार में विष्णुदत्त ओझा रक्तदान एवं जन सेवा समिति के संयोजक नन्दीश्वरदत्त ओझा के संयोजन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। गुरूवार को आस्था के बीच 115 साधकों ने रक्तदान कर स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

रक्तदान शिविर के दौरान भावुक विष्णुदत्त ओझा रक्तदान एवं जन सेवा समिति के संयोजक नन्दीश्वर दत्त ओझा ने कहा कि आज स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा का भौतिक शरीर हमारे बीच नहीं है किन्तु उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। उनका जीवन चरित्र और अविस्मरणीय कार्य शैली युवाओं के लिये सदैव प्रेरणा का श्रोत बना रहेगा। कहा कि राष्ट्रवाद के अजेय यौद्धा, हिन्दुत्व के पुरोधा, अनाथ, अशक्त, गरीब, भय और अभावग्रस्त, बीमार लोगो की सेवा को वे अपना कर्तव्य और धर्म मानते थे। कहा कि रक्तदान कर हम स्व. विष्णुदत्त ओझा को नमन् करने के साथ ही अनेक मरीजों को जीवन दान देने का माध्यम बनते हैं। वे युवाओं के लिये सदैव प्रेरणापुंज बने रहेंगे।

विशाल रक्तदान शिविर में निर्वतमान सांसद हरीश द्विवेदी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, सुशील सिंह, अजय सिंह गौतम, गोपेश्वर त्रिपाठी, दिवाकर मिश्र, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, अखण्ड सिंह, गजेन्द्र सिंह, राना नागेश प्रताप, राना दिनेश प्रताप सिंह, सुभाष शुक्ल, भूपेन्द्र सिंह राना, अखिलेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, ओम प्रकाश आर्य, अनूप खरे, आशीष शुक्ल, पं. सरोज मिश्र, रामभवन शुक्ल, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, सतीश सोनकर, डा. वीरेन्द्र त्रिपाठी, सुधीर अग्रवाल, अविनाश श्रीवास्तव आदि ने स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि उनका असामयिक निधन देश समाज के लिये अपूर्णनीय क्षति है। वे सदैव अन्याय का मुखर विरोध करने के साथ ही न्याय के पक्ष में खड़े रहे। हिन्दुत्व उनकी जीवन शैली थी। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में रक्तदान करने वालों में कामेश्वरदत्त ओझा, विवेक प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश आर्य, अनूप खरे, सुशील सिंह, इन्द्रपाल सिंह, जय प्रकाश शर्मा, मो. नियाज, अरून चौधरी, अंसार अली, आशीष शुक्ल, विक्रम सिंह कौशिक, विमल चौधरी, अर्चित जायसवाल, चन्द्रजीत, धर्मेन्द्र सोनकर, मुकुल सोनकर, मनीष श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र, ब्रजेश प्रताप सिंह, विवेक चौबे, गरूणध्वज पाण्डेय, ऐश्वर्य शुक्ल, लक्ष्मण चौरसिया, गंगानाथ ओझा, आयुष ओझा, अभिनव उपाध्याय, हर्ष दीप सिंह, ओरी लाल गुप्ता, अजय चौधरी, अवनीश मिश्र, श्रेकर दूबे, श्रेयांश दूबे, अजय यादव, पूनम ओझा, अनुपमा ओझा, रविन्द्र कुमार, जय प्रकाश मिश्र, शिवांग शुक्ल, अखिलेश त्रिपाठी, गौरव शुक्ल, श्वेतांक दूबे, सूरज कुमार, लक्ष्मणेश्वर प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार चौहान, रवि दूबे, ओरीलाल गुप्ता, अनिरूद्ध पाण्डेय, देवानन्द आर्य, राहुल सिंह, नीतिन कुमार श्रीवास्तव, आदर्श उपाध्याय, रिशु शुक्ला, सुधीर मिश्र, विकास तिवारी के साथ ही कुल 115 लोगों ने रक्तदान किया।

स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में जिला चिकित्सानलय और बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक के चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ ही रवि चौबे, विवेक प्रकाश सिंह, धर्मेन्द्र सोनकर, इन्द्रप्रकाश शुक्ल, रवि चौबे, विजय सिंह, आलोक चौधरी, विक्रम सिंह कौशिक, संजय ओझा, अम्बिकेश्वर दत्त ओझा, अवधेश मुकेश, डी.पी. यादव, विजय कुमार शुक्ला, जितेन्द्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने योगदान दिया।

डिजिटल हाजिरी के विरोध में 34 संकुल शिक्षकों का इस्तीफा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डिजिटल हाजिरी सहित अन्य प्रमुख मांगों को लेकर सदर ब्लाक के 34 संकुल शिक्षकों ने प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शैल शुक्ल के नेतृत्व में डिलिया बीआरसी पर बीएसए को सम्बोधित अपना इस्तीफा खण्ड शिक्षा अधिकारी

बस्ती सदर को सौंपा। शिक्षकों का कहना है कि शिक्षण कार्य के अलावा कोई अतिरिक्त कार्य नहीं किया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शैल शुक्ल शैल शुक्ल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, 31 दिवस का उपार्जित अवकाश, 15 अर्धआकस्मिक अवकाश और कैशलेश इलाज समेत शिक्षकों की सभी समस्याएं सरकार जब तक दूर नहीं करेगी तब तक डिजिटल हाजिरी का कोई औचित्य नहीं है। कहा कि सरकार शिक्षक हितों के विरुद्ध कार्य कर रही है और यदि शीघ्र शिक्षकों की मांगे पूरी नहीं हुई तो बड़े स्तर पर आन्दोलन किया जाएगा।

मौके पर ब्लॉक मंत्री विजय प्रताप वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, संयुक्त मंत्री कृष्ण कुमार, रचना पाल, प्रभाकर धुसिया, अंकिता उपाध्याय, स्वालिहा खातून, रश्मि बेन, सोनाली, मीनाक्षी, सौम्या ,अर्चना गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

मोबाइल कर्मचारी पर मदरबोर्ड बदलने का आरोपः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के नन्दपुर निवासी राजा सोनकर पुत्र कोमल सोनकर ने पुलिस अधीक्षक के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर अपने मोबाइल का मदर बोर्ड जो लालगंज थाना क्षेत्र के छबिलहा निवासी प्रिन्स पुत्र धर्मराज के पास है उसे दिलाये जाने की मांग किया है। पत्र में राजा सोनकर ने कहा है कि उसने पाकरडाड बाजार स्थित बालाजी मोबाइल शाप पर अपनी मोबाइल गत 17 जुलाई को बनवाने के लिये दिया था। उसी दूकान पर काम करने वाले प्रिन्स पुत्र धर्मराज ने उसके मोबाइल का मदर बोर्ड अपनी महिला मित्र के मोबाइल में लगा दिया । पत्र में कहा गया है कि जब बालाजी मोबाइल शॉप के मालिक सम्पूर्णानन्द पुत्र दयाराम पाण्डेय निवासी पाकड़डाड से शिकायत किया तो सम्पूर्णानन्द ने प्रिंस से पूंछा इस पर मोबाइल शाप की दूकान पर काम करने वाले प्रिन्स ने मालिक सम्पूर्णानन्द से कहा कि उससे न उलझे वरना दलित उत्पीड़न का केस करा दूंगा। तुमको और जिसकी मोबाइल है, दोनों को जेल भेजवा दूंगा। उसने फोन कर अपने साथियों को बुलवाकर दूकान में तोड़फोड़ कर भाग गया। राजा सोनकर ने कहा है कि उसके मोबाइल का मदर बोर्ड प्रिंस के पास से वापस दिलवाया जाय क्योंकि यह उसका दुरूपयोग भी कर सकता है।

6 सूत्रीय मांगो को लेकर सुभासपा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पिछडा मोर्चा 'सुभासपा' के निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, किसानों और क्षेत्रीय नागरिकों ने भानपुर तहसील परिसर में 6 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उप जिलाधिकारी भानपुर के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया गया।

–नहर के लिये निकली जमीनों का मुआवजा दे सरकार– प्रमोद चौधरी

ज्ञापन के द्वारा मांग किया गया है कि सरयू नहर खण्ड 4 के अन्तर्गत पकड़ी रजवाहा माइनर का संचालन कुशलता से किया जाय। नहर में निकले किसानों की जमीनों का मुआवजा का भुगतान किया जाय व पकड़ी रजवाहा के पुलिया से भगवानपुर पुलिया तक नहर पक्का करवाया जाय, विद्युत उपकेन्द्र भानपुर के आमा फीडर के अन्तर्गत ग्राम भौखरी में लगे अवैध व अनैतिक पोल को हटाया जाय, लगभग 220 मीटर केबल के माध्यम से दर्जनों जगह हरे पेड़ में बांधकर बिजली सप्लाई दिया गया है जिसको हटाया जाय, उक्त गांव में राम बुझारत मौर्या के घर के सामने दो बिजली के पोल लगभग 2 साल से गिरे पड़े हैं। उसको लगाया जाय । कोरिया डीह पुलिया से कोठिला पुलिया के बीच बम्बा व छोटी पुलिया का निर्माण कराया जाय और द्वारिका चक ग्राम पंचायत केवटा खोर फीडर सोनहा के अन्तर्गत लगा ट्रांसफार्मर ओबर लोड चल रहा है, इस ट्रांसफार्मर से 3 गांवों को की विजली की सप्लाई है इसकी क्षमता को बढ़ाया जाय । ग्राम पंचायत कोठिली में बने आंगनवाड़ी केन्द्र को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाय, महिला शौचालय तथा बच्चों का शौचालय, बच्चों को शुद्ध पेयजल का व्यवस्था कराया जाय ।

ज्ञापन सौंपने के बाद सुभासपा नेता प्रमोद कुमार चौधरी ने कहा कि सम्बन्धित विभागों को कई बार लिखित रुप में सूचित करने के वावजूद भी प्रकरण को संज्ञान में नहीं लिया गया , मांगो की पूर्ति ना होने की स्थिति में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से सूरज कुमार, रमेश चन्द्र वर्मा, अब्दुल अजीज, संदीप चौहान, राजू चौहान, धर्मेन्द्र कन्नौजिया, राम बदल गुप्ता, सुधाकर चौधरी, प्रमोद, समरथ चौधरी, जगदीश मास्टर, केशराम चौधरी, वृजभूषण मिश्र, सीतादेवी राजभर, धर्मेन्द्र यादव, कोमल निषाद, कृष्ण प्रताप मणि के साथ ही सुभासपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

पुरस्कृत किये गये रेड रिबन मैराथन के विजेता ट्रांसजेन्डर वर्ग में कशिश को प्रथम स्थान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के दिशा–निर्देशन में दिशा कलस्टर बस्ती द्वारा युवा उत्सव "4 की बात" थीम पर रेड रिबन मैराथन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गुरूवार को राजकीय कन्या इंटर कालेज में पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि चिकित्साधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा उप–जिला क्षयरोग अधिकारी बस्ती ने दीप प्रज्वलित कर किया।

रेड रन मैराथन में महिला वर्ग में काजल चौधरी को प्रथम स्थान, संजना को द्वितीय स्थान तथा मरियम खातून को तृतीय स्थान, पुरुष वर्ग में शाहबान को प्रथम स्थान, रोशन को द्वितीय स्थान तथा विकास चौधरी को तृतीय स्थान एवं ट्रांसजेंडर वर्ग में कशिश को प्रथम स्थान, रोशनी को द्वितीय स्थान तथा मनीषा को तृतीय स्थान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सरस्वती बालिका इ0 कालेज की छात्रा आशा मिश्रा एवं सौम्या पांडेय को प्रथम स्थान एवं अन्या शुक्ला एवं याशी उपाध्याय को द्वितीय स्थान तथा सरस्वती शिशु मंदिर इ0कालेज शिवा कॉलोनी बस्ती के छात्र प्रशांत कुमार एवं शिवम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कर रही मानवी सिंह अध्यापिका राजकीय कन्या इण्टर कालेज बस्ती एवं संस्था जीवीएसएस के सचिव अम्बुज कुमार यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी लोगों को अवगत कराते हुए कहा कि कि युवाओं के बीच एचआईवीध एड्स की सही व पूरी जानकारी पहुंचे इसके लिए यूपीसैक द्वारा यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं का जागरूक होना होगा, युवा देश के भविष्य है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर0 एस0 दूबे ने कहा कि यूथ फेस्ट मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं में एचआईवी, एड्स के व्यापक ज्ञान में वृद्धि करना तथा रोचक तरीके से प्रचार तथा सोसाइटी द्वारा प्रदत्त सेवाओं की मांग में वृद्धि करना है।

इस दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि ट्रांसजेंडर भी अब एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूक हो रहे है तथा अपने साथियों को भी एचआईवी के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे है, तथा समाज कल्याण विभाग इनके सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहेगा।

इस दौरान कलस्टर प्रोग्राम मैनेजर अखिलेश सिंह ने कहा कि सामाजिक मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने के लिए तथा आहार, पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य जीवन शैली हेतु युवाओं को प्रेरित किया जाना अति आवश्यक है। दिशा यूनिट के सीएसओ, डीएमडीओ ग्रामीण विकास सेवा समिति के ट्रेनिंग आफिसर, जोनल सुपरवाइजर, कलस्टर लिंक वर्कर, एम एण्ड ई कम लेखाधिकारी सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के सम्पूर्ण सुरक्षा मैनेजर, ओआरडब्लू, विहान परियोजना के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, सचिवध्प्रबंधक इन्दिरा चौरिटेबल सोसाइटी सहित उम्मीद संस्था के परियोजना प्रबंधक, ओआरडब्लू सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के प्रबंधक, साथियां केन्द्र जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय बस्ती के काउंसलर ने अपने विचार रखे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 जुलाई 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

परीक्षाओं की पवित्रता के यक्ष प्रश्न

नीट परीक्षाओं को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर—तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी—नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतरू संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं।

बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। निस्संदेह, गाहे—बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनरू परीक्षा देने के बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, इस मामले में सीबीआई द्वारा तत्परता से की गई कार्रवाई और संदिग्धों की गिरफ्तारी उन लोगों में भय पैदा करेगी, जो लंबे अर्से से परीक्षा लीक के काले धंधे में धंसे हुए थे। जाहिर है कि शासन—प्रशासन की सक्रियता, सख्ती व समय रहते कार्रवाई किसी भी क्षेत्र में शुचिता स्थापित करने में सहायक हो सकती है।

संघ की शरण में सरकार

—अभिनय आकाश—

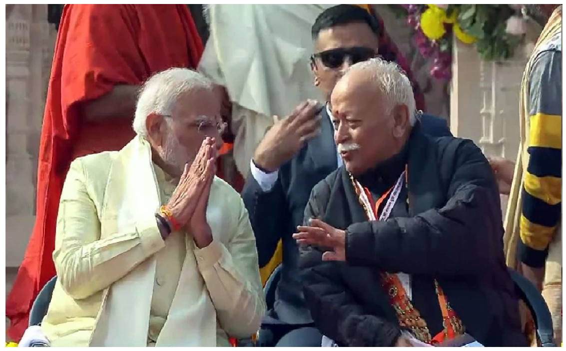

नजरें जितनी नजदीक तक जाती हैं उतनी ही तरेरती भी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को लेकर हमेशा से विरोधियों के द्वारा सवाल उठाए जाते रहे हैं। ये कांग्रेस और पूरे विपक्ष के लिए फेक नैरेटिव सेट करने वाला फेवरेट सब्जेक्ट रहा है। संघ पर बोलने का कोई मौका मिल जाए तो पूरा विपक्ष एकजुट होकर एक ही भाषा में बोलने लग जाता है। लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी और आरएसएस को लेकर बहुत सारी बातें हो रही है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की तरफ से ये नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है कि बीजेपी और आरएसएस के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में आपने ये दावे कई लोगों के मुंह से सुने होंगे की सहयोगियों के सहारे सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी कमजोर प्रधानमंत्री हो गए हैं। मोहन भागवत ने लोककल्याण मार्ग पर मिसाइल चला दी है। लेकिन इन दोनों एजेंडों को मोदी के आरएसएस कार्ड से सीधा जवाब मिला है। आरएसएस को लेकर पहले ऐसे किसी फैसले में नरेंद्र मोदी सरकार ने 58 साल से सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस गतिविधियों में भाग लेने पर लगा बैन हटा दिया है। इस पर हंगामा मचना तय था और हुआ भी कुछ ऐसा ही। कहा जाने लगा कि मोदी विचारधारा के आधार पर सरकारी दफ्तरों का राजनीतिकरण कर रहे हैं। कर्मचारियों की निष्पक्षता और संविधान की सुप्रीमेसी खत्म हो जाएगी। कहा जाने लगा कि संविधान बदलने का इरादा कामयाब नहीं हुआ तो संस्थानों पर कब्जे की तैयारी हो रही है। ऐसे में चर्चा ये है कि नरेंद्र मोदी का आरएसएस कार्ड किसको संदेश दे रहा है। क्या मोहन भागवत के दबाव में आने के विपक्ष के दावे में दम है या फिर ये राहुल गांधी को मोदी का जवाब है। 58 साल पहले ये बैन लगा क्यों और मोदी सरकार ने इसे अब क्यों हटाया?

आपको सबसे पहले 58 साल पहले के उस आदेश के बारे में बताते हैं जिसके जरिए इंदिरा गांधी की सरकार ने आरएसएस के कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों के शामिल होने पर बैन लगाया था। नवंबर 1966 को इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस वाला ये बैन लगाया था उसके पहले 7 नवंबर को गौ हत्या वध पर कानून बनाने की मांग को लेकर आरएसएस समर्थित आंदोलन को पुलिस की गोलियों से कुचला गया था। कई साधु संत इस गोलीबारी में मारे गए थे। बीजेपी आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय के अनुसार जनसंघ आरएसएस के प्रभाव से हिल गई। इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस में शामिल होने पर रोक लगा दी। इंदिरा गांधी ने सिविल सेवा आचरण नियम 1964 का हवाला देते हुए सरकारी कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रम में जाने पर बैन लगा दिया। दलील ये दी गई कि आरएसएस राजनीतिक रूप से प्रभावित है। आरएसएस की तरफ से कर्मचारियों की तटस्थता प्रभावित हो सकती है।

30 नवंबर, 1966 को गृह मंत्रालय (डीओपीटी 1998 तक इसका हिस्सा था) ने एक परिपत्र जारी करते हुए कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सरकारी कर्मचारियों द्वारा जमात—ए—इस्लामी की सदस्यता या गतिविधियों में किसी भी भागीदारी के संबंध में सरकार की नीति के बारे में कुछ संदेह उठाए गए हैं। सरकार ने हमेशा इन दोनों संगठनों की गतिविधियों को ऐसी प्रकृति का माना है कि सरकारी कर्मचारियों द्वारा उनमें भाग लेने पर केंद्र के नियम 5 के उप—नियम (1) के सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 प्रावधान लागू होंगे। परिपत्र में कहा गया कोई भी सरकारी कर्मचारी, जो उपरोक्त संगठनों या उनकी गतिविधियों का सदस्य है या अन्यथा जुड़ा हुआ है, अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है। 1964 के नियमों का नियम 5 राजनीति और चुनावों में भाग लेने के बारे में है। नियम 5(1) कहता हैरू कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल या राजनीति में भाग लेने वाले किसी भी संगठन का सदस्य नहीं होगा। अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968, जो आईएएस, आईपीएस और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों पर लागू होते हैं।

केंद्र सरकार के मानव संसाधनों का प्रबंधन करने वाली डीओपीटी ने 9 जुलाई के आदेश में कहा गया है कि निर्देशों की समीक्षा की गई है और यह फैसला लिया गया है कि 30 नवंबर 1966, 25 जुलाई 1970 और 28 अक्टूबर 1980 के संबंधित कार्यालय ज्ञापनों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का ज़िक्र हटा दिया जाए। इसका मतलब है कि सरकारी कर्मचारी अब आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। ये तीनों सर्कुलर तब जारी किए गए थे जब इंदिरा पीएम थीं। हालाँकि, सभी सरकारों का आरएसएस के प्रति एक ही दृष्टिकोण रहा है। 1980 और 90 के दशक में जब राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और राष्ट्रीय मोर्चा और संयुक्त मोर्चा सरकारें सत्ता में थीं, 1966, 1970 और 1980 के परिपत्र लागू रहे। यह स्थिति तब नहीं बदली जब अटल बिहारी वाजपेयी, जो स्वयं एक स्वयंसेवक थे, 1998 से 2004 तक प्रधानमंत्री थे। यही नीति 2014 से 9 जुलाई तक नरेंद्र मोदी सरकार के 10 वर्षों तक जारी रही।

आरएसएस, जो खुद को एक गैर—राजनीतिक, सांस्कृतिक संगठन बताता है, ने बार—बार कहा है कि उसकी गतिविधियाँ ऐसे प्रतिबंधों से प्रभावित नहीं होती हैं। संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले एक सांसद ने कहा कि पहले भी सरकारी कर्मचारी संघ की गतिविधियों में भाग ले रहे थे क्योंकि एक सांस्कृतिक संगठन है जो समाज के यह लिए काम करकृतिक संगठन कहा है कि ऑन पेपर्स ले लिया भी वह पुराना फैसला वापस के है। संघ के एक प्रचारक द्वारा कहा गया कि संघ कोई राजनीतिक संगठन नहीं है जो इसका कोई सदस्य हो। संघ में कोई मेंबर नहीं होता, संघ किसी को मच्ची काटकर सदस्य नहीं बनाता और न ही मेंबरशिप का कोई रजिस्टर होता है। यह सर्कुलर केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए है। राज्य सरकारों के पास अपने कर्मचारियों के लिए अपने स्वयं के आचरण नियम हैं, और समय—समय पर ऐसे निर्देश जारी करते हैं। कौन सी पार्टी सत्ता में है, इसके आधार पर कुछ राज्य सरकारों के विचार बदल गए हैं। हिमाचल प्रदेश में पी के धूमल की भाजपा सरकार ने 24 जनवरी, 2008 को अपने कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने से प्रतिबंध वापस ले लिया। मध्य प्रदेश में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार ने 2003 में कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाए। हालाँकि, शिवराज सिंह चौहान की भाजपा सरकार ने 21 अगस्त 2006 को एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि प्रतिबंध आरएसएस पर लागू नहीं है। फरवरी 2015 में छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की भाजपा सरकार ने एक परिपत्र जारी कर कहा कि सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस से चूक और राजनीति

—पुष्परंजन—

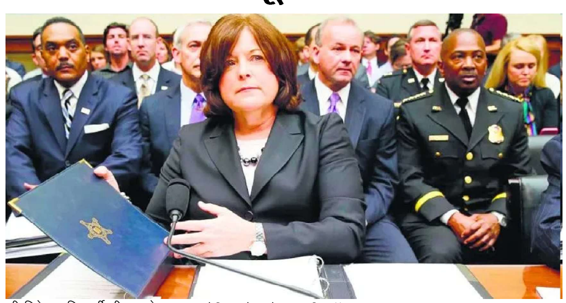

भारत में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी का स्टाफ लगभग 25 हजार है। उससे तीन गुना कम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का स्टाफ है। मात्र 8 हजार। यूएस गवर्नमेंट एजीक्यूटिव की एक रिपोर्ट के अनुसार, '2021 में अमेरिकन सीक्रेट सर्विस में लगभग 7,600 कर्मियों की तैनाती थी, जून, 2024 तक 400 स्टाफ और जुड़े। वित्तीय वर्ष 2026 तक इस संख्या को लगभग 10,000 कर्मचारियों तक बढ़ाने की योजना है।' क्या स्टाफ की कम संख्या की वजह से वीवीआईपी सुरक्षा लचर रही, या फिर ये हैं ही वैसे? पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के बाद से यह सवाल, अमेरिकी सोशल मीडिया पर जेरे बहस रहा है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारियों की संख्या बढ़ा भर देने से हमले रोके जा सकते हैं थे, तो महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या नहीं हुई होती। वर्ष 1967 की भुवनेश्वर चुनावी रैली को याद कीजिये, जब पत्थरबाजी में इंदिरा गांधी की नाक पर गंभीर चोट लगी। सूचना तंत्र मजबूत होता, तो दो अक्तूबर, 1986 को राजघाट पर करमवीर सिंह नामक शख्स तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर गोली नहीं चला पाता। वहीं 5 जनवरी, 2022 को फिरोजपुर दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले में सुरक्षा चूक नहीं हुई होती। लेकिन सवाल है कि जब अमेरिका महफूज नहीं है, तो दुनिया का कौन—सा हिस्सा सुरक्षित है? यह सवाल विक्रम—बेताल की तरह हमारे कंधे पर टंगा रहेगा। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मजबूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी।

ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं, तो न तो जनता, और न ही कांग्रेस को इस बारे में ज्यादा जानकारी मिली। चीटल ने स्वीकार किया कि ट्रम्प की रैली में हुई शूटिंग से हमारे एजेंट बेखबर थे। अमेरिकी खुफिया प्रमुख और आंतरिक मंत्रालय की चुप्पी ने भारत समेत दुनियाभर में अटकलों का बाजार गर्म किया था। भारतीय सोशल मीडिया के तुर्रम खान, खम ठोक कर कहने लगे कि हो न हो, यह सारा कुछ ट्रंप का किया धरा है, जिससे चुनावी तस्वीर उनके पक्ष में बदल जाये।

रिपब्लिकन इस पर अड़े हुए थे, कि दो साल की अवधि में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने ट्रम्प के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक एजेंटों और मैग्नेटोमीटर के लिए बार—बार अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया, बाहरी स्थानों के लिए अतिरिक्त स्नाइपर्स देने से भी मना किया था। मंगलवार को सीक्रेट प्रमुख पद से इस्तीफा देने से पहले चीटल ने कांग्रेस से कहा, 'जिस दिन यह काण्ड हुआ, जितना अनुरोध ट्रंप की तरफ से किया गया था, उन्हें दिया गया।' सोशल मीडिया इस घटना को लेकर दो खेमों में बंटा हुआ था। जो लोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा मानते थे, उन्होंने इसे एक फर्जी घटना बताकर खारिज कर दिया। एक्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म, 'प्री—प्लांड' और 'मंचित किये जाने' वाले आरोपों के पोस्ट से भर गए। एलन मस्क तक ने एक्स पर सवाल कर दिया, 'एक स्नाइपर को पूरी राइफल किट के साथ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के सबसे नजदीकी छत पर रेंगने की अनुमति कैसे दी गई?'

अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की जो धाक समय—समय पर दुनियाभर में जमाने की कोशिशें होती रहीं, ट्रंप कनपट्टी काण्ड से धराशायी हुई है। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ 1 कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके हत्यारे का नाम था, ली हार्वे ओसवाल्ड, जो एक पूर्व अमेरिकी मरीन था। जेम्स अर्ल रे एक अनजान सा अमेरिकी भगोड़ा था, जिसने 4 अप्रैल, 1968 को मार्टिन लूथर किंग 'जूनियर' की हत्या कर दी थी। कैनेडी और किंग की हत्याओं के बाद कई लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई हुई कि एक अकेला, परेशान, महत्वहीन व्यक्ति इतिहास बदल सकता है।

अधिकांश लोग सीक्रेट सर्विस को एक ऐसा संगठन मानते हैं, जो राष्ट्रपति और हाई प्रोफाइल शख्सियतों की सुरक्षा करता है। 1865 में जब इसकी स्थापना हुई थी, तब सीक्रेट सर्विस यूएस ट्रेजरी विभाग का हिस्सा थी। इसका काम धोखाधड़ी और नकली मुद्रा का पता लगाना था। 20 साल बाद सीक्रेट सर्विस ने तत्कालीन राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड को अनौपचारिक सुरक्षा प्रदान करना शुरू किया। 6 सितम्बर, 1901 को राष्ट्रपति विलियम मैककिनले की हत्या के बाद, सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपतियों की सुरक्षा को अपने आधिकारिक कर्तव्यों में शामिल कर लिया। सीक्रेट सर्विस अभी भी वित्तीय अपराधों, धोखाधड़ी की जांच करती है, और हाई प्रोफाइल शख्सियतों को सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान करती है। वर्ष 2003 में सीक्रेट सर्विस को होमलैंड सुरक्षा विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था।

लेकिन, पिछले एक दशक में कुछ ऐसी घटनायें हुईं, जिससे सीक्रेट सर्विस विवादों में घिरी रही है। वर्ष 2011 में सेमी—ऑटोमेटिक राइफल से लैस एक बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस पर कई गोलियां चलाईं। वर्ष 2014 में चाकू के साथ एक घुसपैठिया व्हाइट हाउस की बाड़ फांदकर सामने के दरवाजे से अंदर चला गया था। 2015 में कथित तौर पर नशे में धुत एजेंटों ने व्हाइट हाउस में एक कार को दुर्घटनाग्रस्त कर दिया था। जो ट्रंप आज सीक्रेट एजेंसी के राजनीतिकरण का आरोप लगा रहे हैं, उन्होंने अपने समय में उसका दुरुपयोग भी किया था। 6 जनवरी 2021 को 'कैपिटल हिल विद्रोह' के समय खुफिया एजेंटों ने ट्रंप के कहने पर टेक्स्ट मैसेजेज को हटा दिया था।

मगर, सवाल यह कि सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर पद से किम्बर्ली चीटल के इस्तीफे के बाद से यह क्या चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा? डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के राजनीतिक स्वास्थ्य के लिए यह सवाल कितना हानिकारक साबित होता है, उसका पता कुछ दिनों बाद ही चल पायेगा। फिलहाल, रोनाल्ड रोव, यूएस सीक्रेट सर्विस के कार्यकारी डायरेक्टर बनाये गए हैं। दो राजनीतिक दलों का एक पैनल इस पूरे कांड की जांच करेगा। पैनल में सात रिपब्लिकन, और छह डेमोक्रेट बैठेंगे। यह ठीक 11 सितंबर मॉडल का आयोग होगा, जिसमें व्यापक सम्मन शक्ति होगी।

27 नवंबर, 2002 को 9—11 आयोग की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य विश्व इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमलों के सभी पहलुओं की जांच करना था। 9—11 आयोग की अध्यक्षता थॉमस कीन ने की थी, जिसमें पांच डेमोक्रेट और पांच रिपब्लिकन शामिल थे। 22 जुलाई, 2004 को 9—11 आयोग की रिपोर्ट जब आई, अमेरिकी जनता ने उसे निर्विवाद रूप से स्वीकार किया था। लेकिन, ट्रंप काण्ड पर जो आयोग बना है, उसके राजनीतिक निहितार्थ सीधा अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करेंगे। क्या वह सर्वस्वीकृत होगा? इस पर शक ही है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ऑनलाइन स्टडी के खतरे

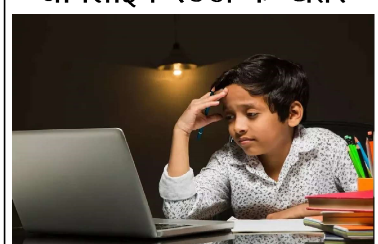

- डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

देखा जाए तो कोरोना के बाद से बच्चों में डिप्रेशन और एंजाइटी का रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोरोना की दहशत के हालात, लॉकडाउन, वर्क फ्राम होम और बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ऑनलाइन स्टडी के चलते बच्चे मोबाइल के अधिकांश इस तरह के ऐप्स से रुबरु होने लगे जो बालपन को कहीं ना कहीं सीधे सीधे प्रभावित करने लगा। एक और जहां चाहे—अनचाहे आनलाइन गेमों की बच्चों में लत लगी वहीं सोशियल मीडिया साइट्स भी बच्चों में लत के रुप में लगने के साथ ही बच्चों के दिलो दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव डालने में सफल रही है। देखा जाए तो खेल खेल में बच्चे ना चाहते हुए भी तनाव और एंजाइटी के दौर में प्रवेश कर गए हैं। बदलती जीवनशैली और सामाजिक आर्थिक सिनेरियों में सर्दी जुकाम की तरह एंजायटी यानी कि घबराहट और डिप्रेशन यानी कि अवसाद आज के बच्चों में आम होता जा रहा है। जानी मानी साइक्रेट्रिक मैगजीन जामा साइक्रेट्री में हालिया प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान 11 से 15 साल के बच्चों के बीच अध्ययन किया और खासतौर से यह समझने की कोशिश की गई कि जिस तरह से सर्दी जुकाम संक्रामक बीमारी है और एक से दूसरे में फैल जाती है उसी तरह से एंजायटी या डिप्रेशन भी एक बच्चे से दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है क्या? अध्ययन में पाया गया कि घबराहट या एंजाइट प्रभावित बच्चे के लक्षण साथ वाले बच्चे में भी विकसित होने के देखे गए हैं। यह अध्ययन भी एक दो नहीं बल्कि सात लाख बच्चों में किया गया है। चिंता की बात यह है कि सर्दी जुकाम संक्रामक रहा है व संपर्क में आने वालों को गिरफ्त में लेने की प्रबल संभावनाएं रहती है, लगभग यही हालात एंजाइटी और डिप्रेशन को लेकर देखी जाने लगी है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के अध्ययन में यह साफ हुआ है कि छह में से एक व्यक्ति बैचेनी यानी कि एंजायटी से प्रभावित रहने लगा है। कोरोना के बाद इस तरह के मरीजों की संख्या में 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

यदि अध्ययन कर्ताओं की मानें तो कोविड 19 अर्थात् कोरोना के बाद हालात तेजी से विकट हुए हैं। खासतौर से पैसों वालों व बुजुर्गों की बीमारी से बच्चे प्रभावित होने लगे हैं। बैचेनी, घबराहट, हाथों में कंपन, नींद ना आना, चिड़चिड़ापन, तनावग्रस्त, कुंठा आदि लक्षण दिखने लगते हैं। इससे बच्चों में नकारात्मकता भी आती जा रही है। अधिक चिंता की बात यह है कि यह बीमारी बच्चों में संक्रामक रोग की तरह फैलती जा रही है। कोराना के लॉकडाउन के साथ ही पेरेंट्स की अंधी प्रतिस्पर्धा और अधिक से अधिक पाने की लालसा, बच्चों के बीच परस्पर सहयोग, समन्वय, मित्रता, सहभागिता के स्थान पर संवेदनहीनता और गलाकाट प्रतिस्पर्धा के परिणाम सामने आने लगे हैं। बच्चों में कुंठा तो आम होती जा रही है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया जो परस्पर संवाद का माध्यम बन सकता है चह तनाव का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। लाइक अनलाइक और कमेंट्स बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करता जा रहा है। ऑनलाइन अध्ययन के चलते बच्चों में मोबाइल का शौक लग गया है और उसका नकारात्मक असर वीडियो गेम्स के रुप में देखा जा सकता है जो बच्चों को गेम के चक्कर में डिप्रेशन में जाते हुए देखा जा सकता है। गेम्स बच्चों में तनाव का कारण बनते जा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्म भी अपना असर दिखाता जा रहा है। रील्स का तो कहना ही क्या? लगता है बच्चों के बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करने वाले सभी कारक सामने आते जा रहे हैं।

बोगियों को हटाकर लापता यात्री की तलाश शुरू नौ अफसरों के साथ कुल 70 कर्मचारी जुटे

संवाददाता—गोण्डा। मोतीगंज — झिलाही रेल खंड पर पिकौरा गांव के पास बीते 18 जुलाई को हुए गोंडा रेल हादसे में लापता यात्री की तलाश बृहस्पतिवार को रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने किया। पिकौरा गांव पहुंची टीम ने हादसे के बाद पलटी बोगियों को सीधा कराया। आशंका थी कहीं बोगियों के नीचे तो कोई शव नहीं दबा है। तलाश कर रही टीम को अभी कोई शव नहीं मिला है। बीते दिनों तरबगंज थाना क्षेत्र के उमरापुर उदवतनगर निवासी रामा देवी ने फरियाद लगाई कि उसका बेटा रामधन भी चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पर सवार हुआ था लेकिन अभी तक वह घर नहीं पहुंचा, जबकि वही ट्रेन पिकौरा गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

डीएम ने मामले में रेलवे के अधिकारियों को कार्रवाई करने और लापता यात्री का पता करने की सिफारिश की। डीआरएम आदित्य कुमार के निर्देश पर सहायक सुरक्षा आयुक्त (रेलवे सुरक्षा बल) राजीव उपाध्याय ने लापता यात्री की तलाश के लिए संयुक्त टीम बनाई थी, जो सुबह से ही मौके पर छानबीन कर रही है। लापता यात्री की तलाश के लिए नौ अधिकारियों के साथ—साथ टीम में कुल 70 अफसरों और कर्मचारी लगे हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी के सदर के साथ पांच कर्मचारी व अधिकारी, थानाध्यक्ष मोतीगंज पुलिस फोर्स के साथ रहे। इसके साथ ही एनडीआरएफ लखनऊ के दस स्टाफ के साथ सुपरवाइजर, एसडीआरएफ लखनऊ के दस स्टाफ के साथ अधिकारी, सहायक मंडल इंजीनियर पूर्वी गोंडा के दस स्टाफ व सुपरवाइजर, प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ गोंडा के दस स्टाफ तथा दो अधिकारी, मनकापुर के प्रभारी निरीक्षक चार स्टाफ के साथ अधिकारी को टीम में शामिल हैं। कर्मचारी संसाधनों से लैस होकर छानबीन कर रहे हैं। सहायक सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल राजीव उपाध्याय ने बताया कि खोजबीन कराई जा रही है।

नेपाल बॉर्डर पर 70 लाख की स्मैक बरामद, बहराइच के दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। जिले के रुपईडीहा नेपाल बॉर्डर पर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड पर पुलिस और एसएसबी के जवान चेकिंग अभियान चला रहे थे। बीती देर रात करीब 9 बजे के आस—पास चेकिंग के दौरान रिसिया थाना के गांव निबिया हुसैनपुर के रहने वाले भूरे उर्फ जियाउल हक पुत्र हसरत अली तथा बहराइच के पानी टंकी सलारगंज के रहने वाले सिराज पुत्र करमचंद को रोक कर पुलिस और एसपी के जवानों ने पूछताछ किया। तो वह कोई समुचित उत्तर नहीं दे सके। तलाशी के दौरान जियाउल हक के कब्जे से 75 ग्राम और सिराज के कब्जे से 65 ग्राम कुल 140 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया है। बरामद स्मैक को सीज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 70 लाख रुपए है।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए भोपतपुरा निवासी वायुसेना के एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र

संवाददाता—देवरिया। तहसील क्षेत्र के भोपतपुरा गांव निवासी वायुसेना में कार्यरत एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र हाल ही में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के हाथों विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित हुए हैं। उनके इस सम्मान से उनके पैतृक गांव में हर्ष है। बता दें कि भोपतपुरा निवासी मदन मोहन मालवीय इण्टर कॉलेज भाटपार रानी के अवकाश प्राप्त कार्यालय अधीक्षक रामप्यारे मिश्र के भतीजे जितेन्द्र मिश्र पुत्र नथुनी मिश्र को बचपन से ही जहाजें उड़ाने का शौक था।उन्होंने रक्षा अकादमी पुणे सहित एयर कमांड एंड स्टॉफ कॉलेज, एयर यूनिवर्सिटी व रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में पढ़ाई किया।वे 6 दिसम्बर 1986 को असम के तेजपुर में वायुसेना के लड़ाकू विमान के पायलट ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुए।वे एवीएसएम वीएसएम भारतीय वायु सेना के एक वायु अधिकारी हैं। वर्ष 2023 में पदभार ग्रहण करने वाले श्री मिश्र मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टॉफ में उप प्रमुख हैं।वह कारगिल युद्ध की शुरुआत में मिराज 2000 विमानों पर लेजर गाइडेड बम को संचालित करने वाली टीम के अहम हिस्सा रह चुके हैं। जून 2010 में उन्हें फ्रांस में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास गरुण फोर के लिए भारतीय वायुसेना दल का नेतृत्व के लिए भी चुना गया था।वे पुणे में सुखोई—30 एमकेआई ऑपरेटिंग एयरबेस के मुख्य परिचालन अधिकारी भी रह चुके हैं। उन्होंने 18 से अधिक प्रकार के लड़ाकू व परिवहन विमान व हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं।इससे पहले भी उन्हें वर्ष 2013 में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित किए जाने पर एयर मार्शल श्री मिश्र के पैतृक गांव के तमाम लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।भोपतपुरा निवासी प्रधान प्रतिनिधि दिनेश मिश्र, प्रयागराज हाईकोर्ट के अधिवक्ता विकास मिश्र, जिला कोर्ट के अधिवक्ता दिनेश्वर मिश्र मुन्ना,कवि व शायर मकसूद अहमद भोपतपुरी, लोकगायक पं० रमेश मिश्र, डॉ विनोद गुप्ता,विवेक मिश्र, विनीत मिश्र अंकित, विकास गुप्ता,प्रदीप सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एयर मार्शल जितेन्द्र मिश्र का सम्मान हमारे पूरे गांव की सम्मान है।

सेवानिवृत्त रेलकर्मी की हत्या में चौथा आरोपी दबोचा

संवाददाता—गोण्डा। सेवानिवृत्त रेलकर्मी की हत्या में फरार चल रहे आरोपी बिजलीकर्मी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

कोतवाली क्षेत्र के भरहू भट्ठा गांव में बीते 19 तारीख को सेवानिवृत्त रेलकर्मी की घर में सोते समय रात में हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने घटना का खुलासा कर हत्या करवाने में मृतक की पोती व हत्या करने वाले दो आरोपियों को बुधवार सुबह गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मृतक की पौत्री से पूछताछ में हत्या में दोनों पकड़े गए आरोपियों को मृतक के घर ले जाकर हत्या को अंजाम देने में बिजली विभाग में तैनात एसएसओ दिनेश चौहान निवासी परसापुर महरौर थाना वजीरगंज का नाम प्रकाश में आया था।

जो घटना के बाद से फरार चल रहा था। जिसे कोतवाली पुलिस ने गुरुवार दोपहर में टिकरी जंगल से शंभूनगर बुटाहा जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक स्थाई रूप से बिजली विभाग में टीजी सेकेंड पद पर अर्थात बतौर एसएसओ कार्यरत है। इसी ने 19 तारीख को हत्या के लिए अपनी बाइक से ग्राम अम्बरपुर निवासी सलमान व ग्राम बन्दरहा निवासी अखिलेश उपाध्याय को मृतक के घर के पास ले जाकर छोड़ा था, जो रात में सोते समय सेवानिवृत्त रेलकर्मी बटेश्वरी चौहान की सोते समय कुल्हाड़ी से गले व शरीर पर कई वार करके हत्या कर दी थी। प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा ने बताया कि हत्या में मृतक की पौत्री रिंका चौहान सहित चार लोग शामिल थे। जिनमें से तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

यात्रियों को लेकर आ रही रोडवेज बस महिला को ठोकर मार गुमटी पर चढ़ी

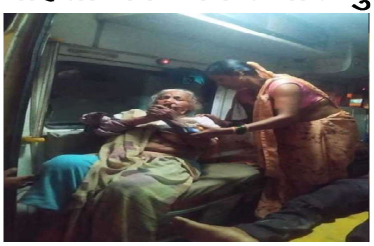

संवाददाता—महराजगंज। गोरखपुर से यात्रियों के लेकर आ रही महराजगंज डिपो की लोहिया ग्रामीण सेवा की रोडवेज बस आधी रात को साढ़े 12 बजे शिकारपुर के पास कोदइला गांव के सामने अनियंत्रित होकर सत्तर वर्षीय वृद्ध महिला को ठोकर मार लकड़ी की बनी गुमटी दुकान पर चढ़ गई। इससे यात्री दहशत में आ गए। चीख पुकार करने लगे। सूचना पर मौके पर पहुंचे शिकारपुर चौकी के पुलिस कर्मियों ने पीआरवी वाहन से घायल वृद्ध महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। महाराजगंज डिपो की लोहिया ग्रामीण सेवा रोडवेज बस को चालक सुरेमन प्रजापति गोरखपुर से लेकर चला था। राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर कोदइला के सामने आकर बस अनियंत्रित होकर कैलाशी देवी पत्नी विजय प्रकाश 70 वर्ष को ठोकर मारते हुए शशिभूषण पुत्र विजय प्रकाश की पान की गुमटी को रौंद पशुपति गुप्त के मकान से जा टकराई। बस की ठोकर से बुजुर्ग महिला का हाथ टूट गया। घटना की सूचना पर पहुंची भिटौली व शिकारपुर चौकी पुलिस के कर्मियों ने घायल महिला को जिला अस्पताल भेजा। बस को चालक समेत अपने साथ थाने ले आई। पुलिस कर्मियों के अनुसार हादसे के बाद चालक स्टीयरिंग सीट पर बेसुध पड़ा था। घायल वृद्ध महिला के दो पुत्र में से छोटे बेटे की मौत हो चुकी है। पति पैरलाइसिस से पीड़ित है। बड़े बेटे की शिकारपुर में दुकान थी। अतिक्रमण हटाने में उसकी दुकान टूट गई। इसके बाद वह घर के सामने गुमटी में दुकान खोल रोजी रोटी का इंतजाम किया था। उसकी मां आधी रात को जरूरत पर घर से बाहर निकली थी। वापस लौटते समय अनियंत्रित बस उसे ठोकर मार दिया। बड़े बेटे की गुमटी को भी रौंद दिया। भिटौली थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार वैश्य ने बताया कि घायल महिला को इलाज के लिए रात में ही जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

आनलाइन शिकायत पर गलत रिपोर्ट लगाने का आरोप

संवाददाता—श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत डांडेकुइयां गांव के पूरब बनी पक्की सड़क से डांडेकुइयां विद्यालय तक पुरानी आरसीसी रोड बदहाल व जर्जर हो गई थी। लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत की ओर से सड़क निर्माण की पहल की गई। जिसका ठेका ठेकेदार को दे दिया गया। ठेकेदार की ओर से सीसी सड़क का निर्माण कराया गया लेकिन सड़क की पटरी पर मिट्टी की पटाई नहीं कराई गई। इससे लोगों के वाहन सड़क पर नहीं चढ़ पाते और उन्हें समस्या का सामना करना पड़ता है। इस पर गांव के ही विपिन कुमार वर्मा ने आनलाइन पोर्टल के लिए जरिए शिकायत कर सड़क पटरी पर मिट्टी पटवाने की मांग की। विपिन का कहना है कि बिना मिट्टी पटाई का कार्य कराए ही अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने आईजीआरएस पर अपनी रिपोर्ट दर्ज कर शिकायतकर्ता को अवगत करा दिया कि सड़क की दोनों पटरियों पर मिट्टी पटाई का कार्य हो गया है। विपिन कुमार वर्मा ने जिलाधिकारी से जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पिकअप ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

संवाददाता—देवरिया। कपरवार—रुद्रपुर मार्ग पर बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम कपरवार फौजी नगर के निकट गुरुवार को तेज रफ्तार पिकअप की एक बाइक से आमने—सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर से बाइक सवार दूर जा गिरा। टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई पिकअप ने युवक को रौंद दिया। उसके बाद पिकअप छोड़कर चालक फरार हो गया। आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केवटलिया निवासी कृष्णकांत यादव (28) रामनक्षत्र यादव किसी काम से सुबह करीब साढ़े नौ बजे कपरवार आए थे। वापस घर जाते समय अभी फौजी नगर के स्मीप पहुंचे थे कि सामने से आ रही एक पिकअप से भिड़ंत हो गई जिसमें सिर और सीने में में गंभीर चोटे आईं। ग्रामीणों भीड़ इक्कठा हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी तो पहुंची पुलिस। पुलिस ने बाइक और पिकअप को कब्जे में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई होगी।

जमीन विवाद सुलझाने गई टीम पर हमला, महिलाओं ने सिपाही से किया हाथापाई

संवाददाता—महराजगंज। जिले के कोठीभार थाना क्षेत्र के राजाजीपुरम वार्ड बेलवा चौधरी में बुधवार को जमीनी विवाद में एसडीएम के आदेश पर पैमाइश कर बंटवारा कराने टीम पहुंची। लेखपाल और पुलिस कर्मियों के साथ एक पक्ष की महिलाओं से नोकझोंक हो गई। पुलिस ने महिलाओं को थाने लाकर शांति भंग की कार्रवाई की। जिले में जमीन विवाद को सुलझाने पहुंची राजस्व और पुलिस टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। लेखपाल द्वारा दिए गए नोटिस को फाड़कर वापस जाने की धमकी देते हुए महिला उग्र हो गई। वहीं इस पूरे मामले का वीडियो बना रहे पुलिस कांस्टेबल से महिलाओं ने हाथापाई शुरू कर दी और कॉन्स्टेबल को मारपीट कर कपड़ा फाड़ दिया। सूचना पर थाने से भारी संख्या में पहुंची फोर्स पहुंचकर विवाद करने वाली महिलाओं को थाने लाकर जेल भेजने की कार्रवाई की है। दरअसल यह पूरा मामला बुधवार का है। कोठीभार थानाक्षेत्र के ग्राम सभा बेलवा चौधरी में एक ही समुदाय के पाटीदारों में जमीन को लेकर रंजिश चल रही थी, जिसको लेकर दो वर्ष पूर्व लेखपाल द्वारा जमीन की पैमाइश कर दिया। जिसके बावजूद जमीन का विवाद थम नहीं रह था। जिसको लेकर एक पक्ष ने तहरीर देकर पैमाइश की मांग किया। हल्का लेखपाल कोठीभार पुलिस के साथ नोटिस देने पहुंचे। जिसके बाद दूसरे पक्ष की महिलाओं ने विवाद करते हुए नोटिस को फाड़ दिया, जो वीडियो में साफ दिख रहा है। इस पूरे वाकया का कॉन्स्टेबल ने जब वीडियो बनाना शुरू किया तो महिलाओं ने एकजुट होकर कॉन्स्टेबल का फोन छीनते हुए उनको मारने—पीटने लगी। जिससे कॉन्स्टेबल अंकुर सिंह को सीने में चोट आई और कपड़ा भी फट गया। मौके पर पहुंची कोठीभार फोर्स ने सभी को थाने लाई। मामले में थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए चालान कर न्यायालय भेज दिया गया।

पारिवारिक विवाद में मारपीट, चोटिल महिला ने दम तोड़ा

संवाददाता—गोण्डा। थानाक्षेत्र के नवाबगंज गिर्द गांव के घूसे तिवारी पुरवा में बुधवार देरात हुई पारिवारिक कलह और मारपीट में एक महिला और उसका पति तथा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन—फानन में महिला को इलाज के लिए अयोध्या के श्रीराम हास्पिटल इलाज के लिए दाखिल कराया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला के शव पोस्टमार्टम अयोध्या पुलिस की ओर से कराया जा रहा है। हालांकि, परिजनों ने मारपीट के दौरान महिला के गम्भीर तौर पर चोटिल हो जाने का हवाला देते हुए पुलिस में कोई तहरीर नहीं दी है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायन सिंह ने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मूल रूप से तुलसीपुर माझा गांव के रहने वाले केशव यादव के बेटों ने एक मकान नवाबगंज गिर्द गांव के घूसे तिवारी पुरवा मजरे में बनवाया है। उनके दो बेटे अपने परिवार के साथ यहीं रहते थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात दोनों भाई मे किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई जो देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई। इस मारपीट की घटना में छोटे भाई, उसकी पत्नी तथा बेटे को गम्भीर चोटें आने पर परिजन इलाज के लिए अयोध्या लेकर चले गए। जहां छोटे भाई की पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को परिजनों ने घटना संबंध में थाने पर न ही कोई तहरीर दी और न ही किसी को कुछ बताया। घर पर मौजूद रिश्तेदार ने बताया की मारपीट में गम्भीर चोट आने से महिला की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि आरोपी भाई काफी उग्र स्वाभाव का है। करीब दो दशक पूर्व वह अपनी पत्नी की विदाई को लेकर ससुर के हत्या के आरोप में जेल भी गया था। उसके दबंग स्वभाव के चलते आए दिन उसका लोगों से विवाद भी होती रहता था। मृतका के घर पर परिजन और रिश्तेदार अंतिम संस्कार के लिए पोस्टमार्टम के बाद अयोध्या से शव आने की प्रतीक्षा गुरुवार शाम तक करते दिखे।

बाढ़ से 15 तो नाव पलटने से कई लोगों को बचाने के लिए किया माकड्रिल

संवाददाता—श्रावस्ती। गुरुवार को मोहम्मदपुर कला गांव के पास राप्ती नदी में बाढ़ का नजारा रहा। जिसमें लोगों को बचाने के लिए बचाव टीम पहुंची और 15 लोगों को बचा कर बाहर निकाला। इसी तरह से एक नाव पलट गई जिसमें आधा दर्जन लोग डूब रहे थे। इस पर एनडीआरएफ की टीम ने नदी में खोज कर सभी लोगों को बाहर निकाला और प्राथमिक चिकित्सा करके जिला अस्पताल पहुंचाया। बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का भी वितरण किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से गुरुवार को भिनगा तहसील के मोहम्मदपुर कला गांव के पास राप्ती में बाढ़ से बचाने और पानी में डूब रहे लोगों को बचाने का माकड्रिल किया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित माकड्रिल में एनडीआरएफ की टीम ने मोहम्मदपुर कला गांव में बाढ़ में फंसे 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने व नाव पलटने से नदी में डूबे 6 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का पूर्वाभ्यास किया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम का संयोजन व संचालन आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने किया। पूर्वाभ्यास स्थल पर आपदा मित्र, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु विभाग, नगर पालिका, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से मौजूद रहे। रेडक्रॉस व अर्पित फाउंडेशन के स्वयंसेवक भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे।

एनडीआरएफ के निरीक्षक धीरेन्द्र सिंह ने जिलाधिकारी से अनुमति लेकर पूर्वाभ्यास शुरू किया। पहले चक्र में एनडीआरएफ के जवानों को राप्ती बैराज कंट्रोल रूम से सूचना दी गयी कि राप्ती का जलस्तर 129.00 पहुंच गया है। इसके बाद आपदा कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मोहम्मदपुर कला के कुछ नागरिक नदी के उत्तरी तट पर फंस गये हैं। सूचना मिलते ही एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने एनडीआरफ को मौके के लिए रवाना किया। एनडीआरएफ के जवान फंसे हुए नागरिकों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। बाहर निकलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और प्राथमिक चिकित्सकीय सहायता दिया। वहीं पर उपजिलाधिकारी पियूष जायसवाल के नेतृत्व में सभी नागरिकों को बाढ़ शरणालय ले जाया गया जहां उन्हें भोजन और रहने की सुविधा उपलब्धा करायी गयी।

दूसरे चरण में मोहम्मदपुर कला के पास राप्ती नदी में एक नाव पलटने से छह लोगों के सामने डूबने की सूचना मिली। इस पर एनडीआरएफ की टीम ने सभी लोगों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार करके जिला अस्पताल पहुंचाया। इस अवसर पर तहसीलदार भिनगा विपुल सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे, प्रशिक्षु एसडीएम पीयूष रावत, नायब तहसीलदार नेहा, आपदा मित्र विवेक मणि त्रिपाठी, दिनेश गोस्वामी, एनडीआरएफ के जवान व स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

स्कूली वाहनों को फिटनेस कराने के लिए 31 तक का समय

संवाददाता—गोण्डा। संभागीय परिवहन विभाग ने अनफिट स्कूली वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र के लिए 31 जुलाई तक की अंतिम तिथि निधारित कर दी है। यही नहीं यह चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि तक फिटनेस न कराने पर ऐसे वाहनों के पंजीयन निलंबित कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे वाहनों से दुर्घटना होने पर वाहन मालिक व स्कूल प्रबंधन को जिम्मेदार माना जाएगा। परिवहन विभाग की लाख सख्ती के बावजूद भी जिले में 295 स्कूली वाहन बिना फिटनेस के ही फर्राटा भर रहे हैं। विभाग ने ऐसे वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कार्यालय में शिविर भी लगाया लेकिन दो दर्जन वाहन ही कैंप में पहुंचे और सभी वाहन स्वामी कैंप से दूरी बनाए रहे। हिन्दुस्तान ने गुरुवार के अंक में इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित भी किया। खबर छपने के बाद परिवहन विभाग ने 31 जुलाई तक अनफिट वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र लेने के लिए अंतिम समय सीमा निर्धारित कर दी है। पीटीओ शैलेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि अनफिट वाहनों के स्वामियों को नोटिस भेजकर अवगत करा दिया गया है। 31 जुलाई तक फिटनेस न कराने पर ऐसे सभी वाहनों के पंजीयन निलंबित कर दिए जाएंगे।

शिक्षामित्रों ने किया विरोध प्रदर्शन,मांगा नियमित वेतन मान

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के बैनर तले शिक्षामित्रों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। जिनमें शिक्षामित्रों को नियमित करते हुए नियमित वेतन मान की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष निर्मल शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित विरोध प्रदर्शन में जिले भर के शिक्षामित्र मौजूद रहे। निर्मल शुक्ल ने कहा कि शिक्षामित्र पिछने 23 वर्षों से स्कूलों को शिक्षण कार्य कर रहे हैं। जिन्हें मात्र 10 हजार रुपए मानदेय मिलता है। इससे शिक्षामित्र आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। शिक्षामित्रों की समस्याओं का निदान करने के लिए शिक्षा निदेशक के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। लेकिन अभी तक कमेटी की रिपोर्ट को लागू नहीं किया गया है। विरोध प्रदर्शन के बाद शिक्षामित्र संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा मित्रों को स्थायी करते हुए नियमित वेतन मान दिया जाय। इसी के साथ नियमितीकरण होने तक अन्य राज्यों की तरह मानदेय दिया जाय। वहीं मूल शिक्षा से वंचित शिक्षामित्रों को उनकी ग्राम पंचायत के अन्य स्कूलों में समायोजित किया जाय। इसी के साथ महिला शिक्षा मित्रों को उनके ससुराल के जनपद में समायोजित किया जाय। इसी तरह से शिक्षा मित्रों को ईपीएफ योजना में शामिल किया जाय और आयुष्मान योजना में शामिल करते हुए मेडिकल सुविधा दिलाई जाय। इसी के साथ मृतक शिक्षा मित्रों के परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए एक सदस्य को समायोजित किया जाय। इस मौके पर निर्मल शुक्ल के साथ ही जिला महामंत्री सुभाष चंद्र, कोषाध्यक्ष राम अचल सहित दर्जनों शिक्षामित्र मौजूद रहे।

जिला खेल विकास व प्रोत्साहन समिति की बैठक हुई

संवाददाता—श्रावस्ती। सीडीओ की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक की गई। बैठक में प्रोत्साहन समिति के आय श्रोत बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने तहसील खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के गठन के लिए उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने आय श्रोत को बढ़ाने के लिए आबकारी विभाग, रजिस्ट्री विभाग व नये शस्त्र लाइसेंस धारकों से समन्वय स्थापित कर आय श्रोत बढ़ाने के लिए प्रयास करने को कहा। जिले में स्थापित स्पोर्टस स्टेडियम में वॉलीबाल, क्रिकेट में खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए जरूरी कार्रवाई करने को जिला क्रीड़ाधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिया कि स्टेडियम में आने वाले सभी खिलाड़ियों का पंजीकरण कराकर निर्धारित पंजीकरण शुल्क अवश्य जमा कराया जाए। जिले स्तर पर होने वाली सभी खेल प्रतियोगिताओं का व्यापक प्रचार—प्रसार किया जाए। जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। जिले के वरिष्ठ खिलाड़ी, युवा खिलाड़ी व खेल में रूचि रखने वाले व्यक्तियों को सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़ा जाए तथा खेल से सम्बन्धित समस्त जानकारी पहुंचायी जाए। इस मौके पर नगर अध्यक्ष मोहम्मद इरफान, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर राजीव कुमार पाठक, डीआईओएस मिथलेश कुमार, बीएसए अजय कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सारथी वाहन को एडी ने झंडी दिखाकर रवाना किया

संवाददाता—गोण्डा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगूपुर में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा अंतर्गत सारथी वाहन को अपर निदेशक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एडी ने सीएचसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिया। गुरुवार को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगूपुर पर अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण देवीपाटन मंडल डॉ जयंत कुमार ने सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।उन्होंने बताया कि जनसख्या स्थिरता पखवारा 15 जुलाई से 31 जुलाई तक चल रहा है। जिसमें सारथी वाहन परिवार नियोजन की सामग्री लेकर गांव – गांव जाएगी और लोगों को परिवार नियोजन के बारें में जागरूक करते हुए इससे संबंधित सामग्री वितरित करेगी। उन्होंने सीएचसी पर साफ सफाई,लेबर रूम,ओपीडी रजिस्टर, मेडिकल स्टोर व पर्चा काउंटर आदि का निरीक्षण किया, जहां स्वास्थ्य सुविधा ठीक पाई गई।

अयोध्या में तैनात उपनिरीक्षक की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में तैनात उप निरीक्षक की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। घटना सुबह 8 बजे की बताई जा रही है। उपनिरीक्षक को पुलिस चौकी नयाघाट पर पब्लिक से बात करते समय हार्ट अटैक आया। उन्हें गंभीर अवस्था में श्रीराम अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप निरीक्षक सुरेंद्र नाथ त्रिवेदी ग्राम सदरपुर थाना बिल ग्राम जनपद हरदोई के रहने वाले थे। घटना की सूचना फोन के जरिए उनके परिजनों को दे दी गई है। उप निरीक्षक सुरेंद्र नाथ त्रिवेदी पुत्र स्वर्गीय रामनाथ त्रिवेदी कोतवाली अयोध्या में नियुक्त थे। घटना पर पुलिस विभाग ने शोक जताया है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित पत्नी ज्ञानवती त्रिवेदी को घटना की जानकारी दे दी गई है। सावन होने के कारण 22 जुलाई के बाद से ही नगर में काफी भीड़ है। वो नयाघाट चौकी सरयू घाट और राम की पैड़ी के साथ लता चौक और धर्मपथ की गतिविधियों पर सतर्क निगाह रखते थे। उप निरीक्षक सुरेंद्र नाथ ने 16 दिसंबर 2023 को अयोध्या कोतवाली में कार्यभार ग्रहण किया था। वे करीब 59 साल के थे। पुलिस विभाग में उन्होंने 1983 से अपनी सेवा आरंभ की थी।

डीएम हुए सख्त, पहली बार एक साथ पुलिस-प्रशासन का छापा, बिचौलिया बना था डाक्टर-24 पकड़े गए

संवाददाता–संतकबीरनगर। संत कबीर नगर के डीएम महेंद्र सिंह तंवर सरकारी कार्यालयों पर बिचौलियों की दखलंदाजी और ऐसी शिकायतों से काफी नाराज थे। गोपनीय सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को एक साथ पुलिस और प्रशासनिक टीम को विभिन्न सरकारी दफ्तरों में छापे के लिए भेजा। इस दौरान टीम ने 24 बिचौलियों को अलग–अलग कार्यालय से पकड़ा। एडीएम जयप्रकाश और एएसपी शशिशेखर सिंह के साथ संयुक्त साझेदारी में पुलिस फोर्स के साथ सरकारी कार्यालयों में छापेमारी की गई। इस दौरान 24 बिचौलिए पकड़े गए। पुलिस सभी को कोतवाली लाई। जहां विधिक कार्रवाई चल रही है।

दरअसल, डीएम को लगातार शिकायत मिल रही थी कि जिला अस्पताल समेत अन्य कार्यालयों में बिना बिचौलिए के कोई काम नहीं हो रहा है। सभी काम के लिए अलग–अलग तरह से बिचौलिए सुविधा शुल्क ले रहे और लोगों के काम को दफ्तरों से निपटा रहे। इससे लोगों की परेशानी बढ़ने से साथ उनके काम भी नहीं हो रहे हैं। इसी आधार पर उन्होंने गोपनीय तरीके से सूचनाएं एकत्र करवाईं। बृहस्पतिवार को एक साथ बड़ी संख्या में बिचौलियों के आने की सूचना पर उन्होंने टीम बनाकर औचक छापे का निर्देश दिया। इस दौरान रजिस्ट्री कार्यालय से सात, एआरटीओ कार्यालय से 13 और जिला अस्पताल से तीन बिचौलिए पकड़े गए।

सभी को पुलिस अपने साथ लेकर कोतवाली थाने लाई है, जहां विधिक कार्रवाई भी होगी। जिला अस्पताल में पकड़ा गया बिचौलिया तो बाकायदा मरीजों को दवाएं लिखते मिला। डीएम के निर्देश पर पहली बार इतनी बड़ी कार्रवाई से विभागों में भी दहशत है।

लाभार्थियों को समय से भेजें धनराशि गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजागणपति आर ने गुरुवार को बांसी कस्बे के नेहरु नगर व राप्ती नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत बने आवास का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने लाभार्थियों को समय से किश्त की धनराशि भेजने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों से बात कर जरूरी जानकारी ली। उन्होंने परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास शहरी के लाभार्थियों को समय से किश्त की धनराशि भेजें। इसके साथ ही गुणवत्ता का विशेष ध्यान दें। किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। डीएम ने स्थानीय लोगों से समस्याओं के बाबत पूछा तो लोगों ने बताया कि पानी नहीं आ रहा है और साफ–सफाई भी नहीं होती है। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए कनिष्ठ सहायक नगर पालिका को निर्देश दिया कि निर्धारित शेड्यूल के अनुसार पानी की सप्लाई होनी चाहिए। उन्होंने कस्बे की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालियों की सफाई, नालियों पर ढक्कन रखने का निर्देश दिया। इस दौरान एडीएम उमाशंकर, परियोजना अधिकारी डूडा सुनीता सिंह आदि मौजूद रहीं।

प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान कमेटी भंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान युवा प्रभाग की समस्त राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारणी तत्काल प्रभाव से भंग कर दी गई है। उक्त जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष करुणेश पांडेय ने दी। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने कहा की लगातार सूचना प्राप्त हो रही है की कुछ लोगों द्वारा अभियान का लेटर पैड प्रयोग करते हुए अनावश्यक रूप से लोगों को परेशान किया जा रहा है। इसके दृष्टिगत सभी कमेटी तत्काल प्रभाव से भंग की जाती है। बताया कि यदि कोई पदाधिकारी नव मनोनयन से पूर्व लेटर पैड का प्रयोग करता है तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

छात्र-छात्राओं को दी गई आपदा से बचाव की जानकारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बाढ़ आपदा प्रबंधन की ओर से गुरुवार को बांसी रानी मोहभक्त लक्ष्मी राप्ती स्नान घाट पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें तिलक इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इसमें उन्हें भूकंप, बाढ़, आगजनी आदि आपदा को लेकर डेमो दिखाकर बचाव की जानकारी दी गई। इस दौरान डीएम डॉ.राजागणपति आर, एडीएम उमाशंकर, एसडीएम कुणाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी पुष्पांजलि सिंह आदि मौजूद रहीं।

कार्य में शिथिलता मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीएचसी सिरसिया में अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने गुरुवार को आशा, संगिनी व एएनएम संग बैठक की। उन्होंने कहा कि कार्य में शिथिलता मिलने पर आशा, एएनएम व संगिनी पर सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने आशा बहुओं को संस्थागत प्रसव, उच्च जोखिम वाली महिलाओं की देखभाल, शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण, कम वजन के बच्चों की देखभाल करने का निर्देश दिया। साथ ही एचआरपी दिवस पर महिलाओं के हेल्थ चेकअप, योग्य दंपति के घरों का भ्रमण कर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने एएनएम को आशा बहू के कार्यों का सत्यापन करने का निर्देश दिया। इस दौरान मैराज अहमद, राजीव त्रिपाठी,सुषमा द्विवेदी, शालिनी सिंह, सोनिया वर्मा, साधना सिंह आदि मौजूद रहीं।

बच्चों ने रैली निकालकर किया जागरूक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बीआरसी मिठवल के पूर्व माध्यमिक विद्यालय असनार से गुरुवार को स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई। रैली को प्रधानाध्यापक शरद चन्द्र त्रिपाठी ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में 111 छात्र–छात्राओं के अतिरिक्त शिक्षक, समूह की महिलाएं व कुछ अभिभावक शामिल हुए। रैली में शामिल लोग घर–घर विद्या दीप जलाओ, अपने बच्चे सभी पढ़ाओ, पढ़ी लिखी लड़की, रोशनी है घर की... आदि नारा लगाते हुए ग्रामीणों को शिक्षा का महत्व बताते हुए बच्चों का नामांकन परिषदीय स्कूलों में करवाने को प्रेरित किया।

फैजाबाद सीट हारने के बाद अलर्ट मोड में भाजपा, चार मंत्रियों ने संभाल ली कमान, बूथों पर फोकस

संवाददाता–अयोध्या। फैजाबाद सीट पर मिली हार के बाद भाजपा आने वाले उपचुनावों को लेकर अभी से अलर्ट मोड पर है। प्रदेश की योगी सरकार के चार मंत्रियों ने मिल्कीपुर उपचुनाव की तैयारी को लेकर मंथन किया। इसके लिए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, संसदीय कार्य मंत्री मयंकेश्वर सिंह, खेल मंत्री गिरीश यादव, खाद्य व रसद मंत्री सतीश शर्मा व एमएलसी अवनीश पटेल ने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडल के अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक की।

बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि बूथ समिति के कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में लोगों से लगातार संपर्क और संवाद करते रहें। मंडल के पदाधिकारी शक्ति केंद्र व बूथ के कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा करते रहें। पिछले चुनाव में जो बूथ कमजोर थे, उन पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। जो मतदाता किन्हीं कारणों से नाराज हैं, उनसे मंडल और जिले के पदाधिकारी संपर्क करें। लोकसभा चुनाव में विपक्ष की ओर से झूठ फैलाकर यहां पर जीत दर्ज की गई। विपक्ष के इस झूठ के बारे में कार्यकर्ता, जनता से चर्चा अवश्य करें।

संसदीय कार्य मंत्री मयंकेश्वर सिंह ने कहा कि बूथ विजय से ही चुनाव विजय होती है। पिछले चुनाव में जिस प्रकार से झूठ के बल पर चुनाव को प्रभावित किया गया, उसका पर्दाफाश कार्यकर्ताओं को करना है। खेल मंत्री गिरीश यादव ने मंडल के सभी पदाधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहने और बूथ पदाधिकारियों से नियमित संपर्क में रहने के लिए कहा।

खाद्य व रसद मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता हर घर और हर मतदाता से संपर्क करें। उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों व जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराएं। बैठक में जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, कमला शंकर पांडेय, राघवेंद्र पांडेय, शैलेंद्र कोरी व राधेश्याम त्यागी मौजूद रहे।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने स्कूलों का निरीक्षण कर जाना पठन पाठन का हाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विद्यालयों में चल रहे पठन–पाठन की स्थिति का आकलन करने के लिए गुरुवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल डॉ.ओम प्रकाश मिश्र ने डुमरियागंज के आधा दर्जन स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं के साथ ही शिक्षकों से मिलकर विद्यालय में संचालित शैक्षिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही प्रधानाचार्यों को समय से पाठ्यक्रम पूर्ण कराने का निर्देश दिया। संयुक्त शिक्षा निदेशक सुबह करीब साढ़े सात बजे चौखड़ा स्थित ललिता इंटर कॉलेज पहुंच गए। वहां प्रार्थना हो रही थी वह भी शामिल हो गए। इसके बाद शैक्षणिक गतिविधियों से रुबरू हुए। जेडी ने हल्लौर स्थित मार्डन हायर सेकंडरी स्कूल, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज कादिराबाद, रुद्रपाल इंटर कॉलेज लटेरा, जनता आदर्श इंटर कॉलेज गौरा, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज डुमरियागंज, रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज चकचई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौरा में छात्रों की कम उपस्थिति पर नाराजगी जताई। जिम्मेदारों को फटकार लगाई। उन्होंने विद्यालयों की समस्याओं का समाधान करने व गुणात्मक शिक्षा के विकास के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया। निदेशक के निरीक्षण में सभी विद्यालय में पठन पाठन संतोषजनक पाया गया। सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने कहा समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आए हैं। नई टेक्नोलाजी के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सदाचार व नैतिकता के साथ विद्या ग्रहण करने वाले छात्र आगे बढ़ते हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य अहमद फरीद अब्बासी, राहिब रिजवी आदि मौजूद रहे।

नहर में छलांग लगाने वाली युवती का उतराता मिला शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बढ़नीचाफा के विकासनगर व बड़हरा के बीच स्थित नहर में बुधवार की सुबह एक युवती ने छलांग लगा दी थी। 24 घंटे बाद गुरुवार को बनगवा नानकार गांव के पास नहर में उतराता हुआ शव मिला। भवानीगंज पुलिस ने पंचनामा कर शव को परिजनों को सौंप दिया।

बलरामपुर जनपद के थाना गैंड़ास बुजुर्ग के इनईडीह निवासिनी हदीशुन्निशां (18)पुत्री शरीफ अहमद बुधवार को पुल पर बैठीं थी। अचानक उसने चप्पल निकाल कर नहर में छलांग लगा दी थी। यह देख आसपास के लोग इकट्ठा हो गए थे। कुछ लोग बचाव के लिए नहर में भी कूद गए थे लेकिन तेज बहाव की वजह से उसे बचा नहीं सके थे। वह नहर में डूब कर लापता हो गई थी। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई थी। उसने स्थानीय गोताखोर को भी बुलवाया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया था। गुरुवार को बनगवा नानकार गांव के पास उसका शव नहर में उतराता दिखाई दिया तो युवती के परिजनों सहित तमाम लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस भी सूचना पर पहुंच गई। शव को बाहर निकलवाया गया। युवती के परिजन पोस्टमॉर्टम नहीं चाहते थे। पुलिस ने परिजनों की रजामंदी पर शव का पंचनामा कर उन्हें सौंप दिया। भवानीगंज थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इससे पंचनामा कर शव उन्हें सौंप दिया है।

अराजक तत्वों ने काली जी की मूर्ति खंडित की

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के बेलवागुनही गांव में स्थित काली जी के मंदिर में बुधवार रात अराजक तत्वों द्वारा काली जी की मूर्ति खंडित कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई थी। दोपहर में पुलिस की मौजूदगी में मूर्ति को पुनः स्थापित कर दिया गया है। बेलवागुनही गांव में प्राचीन काली मंदिर है। बुधवार रात अराजक तत्वों द्वारा काली जी मूर्ति को खंडित कर दिया गया। रात में ही ग्रामीणों ने काली जी की खंडित मूर्ति को देखा और बात पूरे गांव सहित क्षेत्र में फैल गई। किसी ने सूचना पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही रात में ही खेसरहा थाना प्रभारी रविंद्र सिंह और बांसी सीओ सतीश चंद्र पांडेय मौके पर पहुंच गए। लोगों को समझा बुझा कर मामले को शांत किए रखा। दोपहर में मूर्ति को दोबारा स्थापित कर दिया गया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि अभी तक किसी के द्वारा तहरीर नहीं दी गई है। मूर्ति को स्थापित करा दिया गया है। एहतियातन पुलिस बल मंदिर परिसर में तैनात कर दिया गया है। गुरुवार दोपहर पुलिस सुरक्षा के बीच काली जी की मूर्ति को मंदिर में पुनरु स्थापित कर दिया गया है। वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि विधान से पूजा अर्चना करके काली जी की प्रतिमा को ग्रामीणों से स्थापित कराया गया। इस दौरान नित्यानंद उपाध्याय, विवेक राय, जुगुनू सिंह, जय प्रकाश, घनश्याम गुप्ता, विकास, इब्राहिम, तुफैल, सदाम आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कोच पर लगेंगे सोलर पैनल, उसी से चलेंगे एसी-पंखे

संवाददाता–गोरखपुर। ट्रेनों में कोच के ऊपर सोलर पैनल लगेंगे। इसी पैनल से बनने वाली बिजली से उस कोच में रोशनी होगी और एसी, पंखे भी चलेंगे। उत्तर रेलवे में इसका ट्रायल हो चुका है। अब पूर्वोत्तर रेलवे समेत अन्य जोन में सोलर पैनल का इस्तेमाल शुरू करने की तैयारी है। पूर्वोत्तर रेलवे में विभागीय बैठक में इस पर मंथन हो चुका है। स्टेशन परिसर, कार्यालयों और कॉलोनियों में सोलर पैनल लगाने के बाद अब ट्रेनों में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल की तैयारी है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उत्तर रेलवे की कुछ पैसेंजर ट्रेनों के कोच में लाइट और पंखों के लिए सौर ऊर्जा का सहारा लिया गया है। अभी तक पांच दर्जन डिब्बों में सोलर पैनल लगाए गए हैं। इनमें दिल्ली के शकूरबस्ती डेमू, तमिलनाडु जन शताब्दी एक्सप्रेस व दो अन्य ट्रेनों के पांच दर्जन कोच में सोलर पैनल का ट्रायल सफल रहा है। बोगियों में सोलर पैनल लगाए जाने से तीन फायदे होंगे। पहले तो पावर कार में लगने वाले डीजल की बचत होगी। दूसरे, पावर कार हट जाने से हर ट्रेन में दो अतिरिक्त यात्री कोच लगाए जा सकेंगे। इसके साथ ही यात्रियों को पॉवर कार (जनरेटर) के शोर से भी मुक्ति मिल जाएगी।

गोरखपुर में गेल का एयर स्पेस भी अब ड्रोन के लिए नो फ्लाई जोन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में गेल (गैस एथार्टी ऑफ इंडिया लिमिटेड) का एयर स्पेस अब ड्रोन के लिए नो फ्लाइ जोन घोषित कर दिया गया है। गेल के संयत्र के ऊपर से कोई ड्रोन नहीं उड़ाया जा सकता है। ऐसा कोई करता है तो एंटी ड्रोन से न सिर्फ ड्रोन को मार गिराएगा बल्कि ड्रोन उड़ाने वाला भी कानूनी कार्रवाई की जद में आ जाएगा। शासन ने जारी निर्देश के बाद एसपी नार्थ ने गीडा और खजनी सर्किल में स्थित गेल संयत्र को लेकर वहां के थानेदारों को निर्देश जारी किया है।

दरअसल, जमीन की तरह स्पेस में भी एरिया निर्धारित किया जाता है। यह तय किया जाता है कि किस एरिया में जमीन के साथ ही आसमान में भी घुसपैठ को प्रतिबंधित रखना है। आज के समय में ड्रोन से आसमान के प्रतिबंधित एरिया में घुसपैठ किया जा सकता है ऐसे में आंतरिक सुरक्षा के लिए ड्रोन से आशंका को देखते हुए कुछ महत्वपूर्ण स्थलों को ड्रोन के लिए रेड जोन यानी नो फ्लाइ जोन घोषित किया गया है। गोरखपुर मंडल में गोरखनाथ मंदिर परिसर और बुद्ध की निर्वाणस्थली को शासन ने पहले ही ड्रोन के लिए रेड जोन घोषित किया था। यहां सेटलाइट फेनीसिंग भी लगाने की तैयारी है जिससे अगर कोई ड्रोन उड़ाए तो भी वह काम न करे। वहीं एयरपोर्ट का इलाका पहले से ही रेड जोन में रखा गया है। सेटलाइट फेनीसिंग भी यहां लगाया गया है। इसके अलावा अब गेल के स्पेश को भी रेड जोन घोषित कर दिया गया है। इस इलाके में कोई भी ड्रोन नहीं उड़ा पाएगा। शासन ने ड्रोन उड़ाने को लेकर एक नियमावली बनाई है। इसके तहत सभी जिलों से उनके यहां के रेड जोन का प्रस्ताव मांगा गया था। जबकि रेड जोन के कुछ इलाके के बारे में शासन ने खुद भी बताया है। वहीं जिले स्तर पर इसकी कमेटी बनाई गई है जो अपने–अपने जिले के रेड जोन के इलाके के बारे में एक रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजती है।

शहर में ड्रोन उड़ाना जहां पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा वहीं येलो जोन में 200 फीट की ऊंचाई तो ग्रीन जोन में 400 फीट की ऊंचाई तक उड़ाया जा सकेगा। इनडोर में ड्रोन उड़ाने पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। ड्रोन उड़ाने वालों को सीजीए पोटर्ल पर पंजीकरण कराना होगा। स्थाई तौर पर रेड जोन का इलाका घोषित होने के बाद भी ऐसा इलाका जहां वीवीआईपी कार्यक्रम है वहां भी अस्थाई तौर पर रेड जोन घोषित रहेगा। उस इलाके में बिना अनुमति ड्रोन नहीं उड़ाया जा सकेगा। अगर कोई उड़ाता है तो कानूनी कार्रवाई होगी।

शादी–विवाह में ड्रोन से फोटो लेने का चलन बढ़ा है। अगर इनडोर में कोई कार्यक्रम है तो फिर कोई दिक्कत नहीं है वहां ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं लेनी होगी लेकिन आउटडोर में कार्यक्रम है तो सभी मानक देखने के बाद ही ड्रोन उड़ाया जा सकता है। प्रदेश में नई ड्रोन पालिसी लागू है। रेड जोन में कोई ड्रोन नहीं उड़ाया जा सकेगा। येलो जोन में दो सौ फीट तक ड्रोन उड़ा सकेंगे। ड्रोन संचालकों को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की बेवसाइट पर ध्यानलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इस पालिसी के उल्लंघन पर एफआईआर के अलावा एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने और ड्रोन को जब्त कर लिया जाएगा।

21 अगस्त 2023, गोरखनाथ इलाके के नथमलपुर निवासी मयंक बरनवाल 21 अगस्त की शाम 7 बजे गोरखनाथ मंदिर के उपर ड्रोन उड़ा रहा था। साथ ही वह ड्रोन के जरिये मंदिर परिसर और आसपास का फोटो– वीडियो भी शूट कर रहा था। गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात जवानों की नजर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को अलर्ट किया। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए ड्रोन उड़ाने वाले व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और ड्रोन नीचे उतरवाया। पूछताछ में उसकी पहचान हुई। उसने पुलिस को बताया कि वह सिर्फ ड्रोन से फोटो–वीडियो शूट कर रहा था। लेकिन, उसके पास मंदिर परिसर में ड्रोन उड़ाने की कोई अनुमति नहीं थी। इसके बाद पुलिस ने ड्रोन, हार्ड डिस्क और मयंक का मोबाइल जब्त कर लिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
निगरानी सं0 १०६६
D 2024541740000524
अदालत– श्रीमान डी0डी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामचन्दर आदि
बनाम
प्रभावती आदि

1. प्रभावती देवी पत्नी हरिवंश दूसरे पति जोखू वर्तमान पत्नी सीताराम ग्राम कोदई तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. जयराम पुत्र अद्या प्रसाद ग्राम बट्टूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. श्रीमती विद्यावती पत्नी राम आसरे (मृतक) 4. दुर्गा प्रसाद 5. देवी प्रसाद पुत्रगण राम आसरे साकिन बगही तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. केवला देवी पत्नी रामफेर साकिन नगर खास तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा सं0 १६८५ / 2022
T 202217140301685
धारा 144 उ0प्र0रा0सं 2006
अदालत– श्रीमान तहसीलदार न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती
रामचन्दर चौधरी
बनाम
हृदयराम

रामचन्दर चौधरी पुत्र मिट्ठूलाल साकिन गनेशपुर टोला रामपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम बस्ती महोदय जिला–बस्ती
C.A.N0 11 / 2020
रामधनी
बनाम
पूर्णमासी

2/1 सनी पुत्र मनोज कुमार 2/2 कुमारी संजू 2/3 कुमारी वावी अवयस्क पुत्रियां मनोज कुमार ववलायत सनी सगा भाई सभी निवासीगण ग्राम विधियानी पुराना रोडवेज तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 12–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी करार दिये जाने का है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जाय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 12 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

मान्यता की सेवा शर्तों के खिलाफ कार्य करने पर कॉलेज को नोटिस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माध्यमिक विद्यालयों के स्कूल खुलने के समय को लेकर डीआईओएस सोमारू प्रधान ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सरदार पटेल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज बांसी के निरीक्षण में विद्यालय संचालन 7.30 बजे की बजाए 8.30 बजे होने और राष्ट्रगान कमरों में कराए जाने पर जिविनि ने नाराजगी जताते हुए मान्यता की सेवा शर्तों के विरुद्ध कार्य करने पर नोटिस थमा दी है। भविष्य में पुनरावृत्ति मिलने पर मान्यता निरस्त की कार्रवाई की संस्तुति करने की चेतावनी भी दी है। जिला विद्यालय निरीक्षक गुरुवार को सरदार पटेल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज बांसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पूछने पर बच्चों ने बताया कि स्कूल का संचालन 8.30 बजे से होता है जबकि शासन का 7.30 बजे से संचालन करने का सख्त निर्देश है। राष्ट्रगान स्कूल के फील्ड में न कराकर कमरों में कराने पर भी नाराजगी जताई। डीआईओएस ने इस कृत्य को मान्यता की सेवा शर्तों का उलंघन बताया और कहा कि शासन के निर्देशों का उलंघन मानते हुए मान्यता निरस्त करने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव को संस्तुति करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने फील्ड में प्रार्थनासभा कराने और स्कूल को निर्धारित समय में खोलने का निर्देश दिया। महामना मालवीय इंटर कॉलेज बरगदवा के निरीक्षण में बच्चों का शैक्षणिक गुणवत्ता ठीक नहीं पाई। कक्षा नौ के बच्चों को अंग्रेजी विषय में एबीसीडी तक का ज्ञान नहीं मिला। जिविनि ने नाराजगी जताते हुए विषय अध्यापक को श्रेणीवार बच्चों का चिन्हांकन करते हुए बच्चों का शैक्षणिक स्तर बढ़ाने का निर्देश दिया। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बांसी का निरीक्षण किया। यहां सभी उपस्थित मिले। बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने, नामांकित सभी की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

बार एसोसिएशन ने की कार्रवाई की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के गड़वार गांव निवासी अधिवक्ता रजनीश कुमार पांडेय के मामले में बार एसोसिएशन ने एसडीएम को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। बार एसोसिएशन डुमरियागंज के अध्यक्ष इंद्रमणि पांडेय व महामंत्री राम बहादुर यादव ने गुरुवार को एसडीएम न्यायिक करमेंद्र को दिए पत्र में कहा है कि बार एसोसिएशन के पंजीकृत सदस्य रजनीश कुमार पांडेय के निजी जमीनी प्रकरण का निस्तारण शीघ्र किया जाए। प्रकरण का तीन दिन के भीतर निस्तारण न होने पर अधिवक्ता संघ आंदोलन करेगा।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com